



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 31]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 18, 1994/माघ 29, 1915

No. 31]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 18, 1994/MAGHA 29, 1915

वाणिज्य मंत्रालय

क्रियाविधि

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1994

विषय: जापानी मूल के बिस्फेनोल-ए के आयात के संबंध में  
पाटनरोधी जांच—अंतिम निष्कर्ष

सं. 14/73/92-टीपीडी.—1982 में यथासंशोधित सीमा-  
शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसके अधीन बनाई  
गयी नियमावली, 1985 को मद्देनजर रखते हुए और प्रशास-  
निक मंत्रालय अर्थात् उर्वरक एवं रसायन मंत्रालय से परामर्श  
करके,

अवधायी उपाय

1. नियमावली में यथापरिभाषित नामोद्विष्ट प्राधिकारी  
(जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) ने दिनांक  
10 अगस्त, 1993 की अधिसूचना सं. 14/73/92-टीपीडी द्वारा  
जापानी मूल के बिस्फेनोल-ए (जिसे इसके बाद बीपीए कहा  
गया है) के आयात के संबंध में की गयी पाटनरोधी जांच  
के प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया।

2. प्राधिकारी ने मैसर्स मित्सुई एंड कं. लि. (प्रतिवादी),  
मैसर्स केसर पेट्रोप्राइक्ट्स लि. (याचिकाकर्ता) और तथा अन्य  
इच्छुक पार्टियों को दिनांक 10 अगस्त, 1993 को इस आशय  
का एक पत्र भेजा कि वे जांच में अंतिम निर्णय लिए जाने से  
पहले प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने-अपने विचार व्यक्त करें।  
उनसे यह भी बताने के लिए अनुरोध किया गया कि क्या वे  
प्रस्तुत किये गये आंकड़ों की स्थल पर जाकर पड़ताल कराने  
के लिए तैयार हैं? नई दिल्ली स्थित जापानी दूतावास को  
एक टिप्पणी भेजी गयी जिसके साथ प्रारंभिक निष्कर्षों की  
एक प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध किया गया था कि अन्य  
इच्छुक पार्टियों को सलाह दें कि वे प्रारंभिक निष्कर्षों पर  
अपने-अपने विचार प्राधिकारी को प्रस्तुत करें जिसमें यह भी  
बतलाया जाए कि क्या वे प्रस्तुत टिप्पणियों में दिये गये  
तथ्यों की स्थल पर जाकर पड़ताल कराने के लिए राजी हैं?

3. प्राधिकारी को प्रारंभिक निष्कर्षों पर प्रतिवादी, याचिका-  
कर्ता और भारत में उक्त उत्पाद के आयातकों के विचार  
प्राप्त हुए हैं। प्रारंभिक निष्कर्षों पर प्रतिवादी के अलावा  
जापान के किसी अन्य निर्यातक ने अपने विचार नहीं भेजे हैं।

4. प्रतिवादी ने प्रारंभिक निष्कर्षों के प्रत्युत्तर में निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं:—

- (1) जांच की अवधि अर्थात् जनवरी-जुलाई, 1992 के दौरान किसी भी निर्यात बाजार में कीमतें कमोवेश एम टी सी आईएफ 9000 अमरीकी डालर/प्रति एम टी सी आईएफ जापान की सीआईएफ कीमतों पर सं. रा. अमरीका, फ्रांस और कोरिया गणराज्य से मांग आई हुई है। इस तथ्य के आधार पर जापानी उत्पादकों ने आयोजित बिस्फेनोल-ए के कारण जापानी घरेलू बाजार में अलाभकर प्रतिस्पर्धा होने का कभी भी दावा नहीं किया है।
- (2) जापान के पास 900 से 1000 अमरीकी डालर/प्रति एम टी सी आईएफ जापान की सीआईएफ कीमतों पर सं. रा. अमरीका, फ्रांस और कोरिया गणराज्य से मांग आई हुई है। इस तथ्य के आधार पर जापानी उत्पादकों ने आयोजित बिस्फेनोल-ए के कारण जापानी घरेलू बाजार में अलाभकर प्रतिस्पर्धा होने का कभी भी दावा नहीं किया है।
- (3) प्रतिवादी यह जानना चाहता था कि औसत सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत किस प्रकार निर्धारित की गयी थी।
- (4) प्रतिवादी यह जानना चाहता था कि "सामान्य मूल्य" और "निर्यात कीमत" में तुलना किस प्रकार की गयी अर्थात् तुलना के लिए विनिमय-दर, शुल्क, व्यापार की माता, डिलीवरी प्वाइंट में अंतर किस प्रकार किया गया।
- (5) याचिकाकर्ता बिस्फेनोल-ए का निर्यात भारतीय घरेलू बाजार में हो रही बिक्री की कीमत से कहीं कम कीमत पर कर रहा है।
- (6) जापान ही नहीं बल्कि और भी ऐसे देश हैं जिन्होंने बिस्फेनोल-ए की बिक्री अपेक्षितया कम कीमत पर की है।
- (7) प्रतिवादी ने यह सोचा कि याचिकाकर्ता के बिस्फेनोल-ए का अनुमोदन भारत के प्रमुख प्रयोक्ताओं ने नहीं किया था।
- (8) याचिकाकर्ता की प्रतिष्ठापित क्षमता 5000 एम टी है जबकि घरेलू मांग 2000 एम टी प्रतिवर्ष है। भारतीय बाजार में जापानी बिस्फेनोल-ए का हिस्सा 22% से 63% के बीच है। इस प्रकार, जापान से होने वाले आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगा देने से 5000 एम टी प्रतिवर्ष की कुल क्षमता में से प्रतिवर्ष लगभग 450 से 1260 एम. टी. को संरक्षण मिलेगा। अतः याचिकाकर्ता के समता उपयोग में तथा पूंजी निवेश से होने वाली वित्तीय आय में प्रतिकूल परिणामों का होना अवश्यभावी है।

(9) भारतीय बिस्फेनोल-ए बाजार में जापान के हिस्से में वृद्धि, याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादन आरंभ किया जाना और कीमतों में गिरावट आना बिल्कुल ही अलग-अलग बातें हैं और इनका एक साथ होना एक संयोग समझा जाय।

(10) जापान में याचिकाकर्ता द्वारा एक बिस्फेनोल-ए के निर्यात की क्षमता रखने के लिए उसकी न्यूनतम आर्थिक क्षमता 50000 एम टी प्रति वर्ष है। बिस्फेनोल-ए और अधिक आयात शुल्क से विचार करने से पहले फेनोल पर आयात शुल्क कम करना आवश्यक है।

(11) ऐपोकसी और पी सी रेजिन जिसके लिए बिस्फेनोल-ए की कच्चे माल के रूप में जरूरत होती है उसका भारत में बाजार-आकार बिस्फेनोल-ए के बाजार से कहीं बड़ा है। अतः भारतीय उद्योग का सामान्य हित इस बात में है कि ऐपोकसी रेजिन बाजार के संरक्षण पर विचार किया जाए और आगामी पी सी रेजिन का बाजार बनाया जाए। जबकि बिस्फेनोल-ए के बहुत छोटे बाजार को संरक्षण देने पर इतना विचार देना जरूरी नहीं है।

(12) पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश संबंधी प्रारंभिक निष्कर्ष भेदमूलक है क्योंकि भारत में तीसरे देशों से भी आयात आ रहा है।

5. याचिकाकर्ता ने प्रारंभिक निष्कर्षों के उत्तर में पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया।

6. प्राधिकारी को चार आयातकों के विचार प्राप्त हुए हैं। एक आयातक ने जापान से हुए आयात के संबंध में कीमतों में गिरावट का कारण पिछले 2-3 वर्षों में येन और अमरीकी डालर के बीच विनिमय-दर में परिवर्तन बताया है। आयातक ने प्रयोक्ता उद्योग के हित का भी उल्लेख किया है। एक और आयातक ने याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दों को दोहराया है और भारत में ऐपोकसी रेजिन उद्योग के हित का उल्लेख करते हुए याचिकाकर्ता की एकाधिकार की स्थिति पर टिप्पणी भी की है। आयातक ने कहा है कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पाद की क्वालिटी में रंग, फ्री फेनोल अंश, लीहांश, नमी के अंश और आइसोमर अंश की दृष्टि से अभी मानक स्तर तक बढ़ाना होगा। शेष दो आयातकों ने जो मुद्दे उठाए हैं वे प्रतिवादी द्वारा उठाए गए कुछ मुद्दों की तरह ही हैं।

7. प्राधिकारी ने प्रतिवादी और उत्पादकों द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच की है। उन्हें क्रम में नीचे प्रस्तुत किया गया है—

(1) प्रतिवादी ने मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय कीमत का उल्लेख किया। डम्पिंग का निर्धारण निर्यात तथा घरेलू

दोनों प्रकार की बिक्रियों के अंतर और शर्तों का अपेक्षित समायोजन करके व्यापार के समान स्तर पर निर्यात कीमत और घरेलू कीमतों के बीच निष्पक्ष तुलना करने के बाद किया जाता है। अतः यह तर्क कि आयात कीमत जांच की अवधि के दौरान की अंतर्राष्ट्रीय कीमत के अनुसार है, डंपिंग के निर्धारण में कोई संगत मुद्दा नहीं है।

(2) प्रतिवादी ने जापान की आयात मांग और आयात कीमतों का उल्लेख किया है। जैसा कि उपरोक्त उप पैरा (1) में बताया गया है, यह डंपिंग के निर्धारण के लिए कोई संगत मुद्दा नहीं है।

(3) तथा (4) प्रतिवादी यह जानना चाहते थे कि सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत किस तरह निर्धारित की गई और दोनों की तुलना के लिए विनियम दर व्यापार की कर-मात्रा तथा सुपुर्दगी स्थल के अन्तर को ध्यान में रखते हुए दोनों की तुलना किस प्रकार की गई। प्राधिकारी ने दिनांक 22 नवम्बर, 1993 को खुलासे के लिए एक बैठक का आयोजन किया। प्रतिवादी को बैठक से अवगत कराया गया और उनसे अनुरोध किया गया कि वह अपनी भागीदारी के बारे में बतलाएं। प्रतिवादी ने अपने उत्तर में कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से उपलब्ध नहीं हैं और वे समझते हैं कि उनके मुद्दे उनके पहले के पत्रों में स्पष्ट कर दिए गए थे। प्रतिवादी ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने बैठक में भाग न लेने का निर्णय लिया है और अंतिम निर्धारण की प्रतीक्षा करेंगे और उन्होंने अपने नई दिल्ली स्थित कार्यालय को बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में भाग लेने की अनुमति देने का अनुरोध किया। उनके प्रतिनिधियों को दिनांक 22 नवंबर, 1993 की खुलासा बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में भाग लेने की अनुमति दी गई थी।

जांच शुरू होने के पश्चात् प्रतिवादी को भेजी गई प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में तथा प्रारंभिक निष्कर्ष के प्रत्युत्तर में प्रतिवादी ने अपने द्वारा निर्यात की गई बिसफेनाल-ए की निर्यात कीमत बतलायी है जो वस्तुतः प्रारंभिक निष्कर्ष में निर्धारित की गई निर्यात कीमत की तुलना में कम है। बाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय, कलकत्ता द्वारा संकलित आयात आंकड़ों के आधार पर और नीचे दिए गए पैरा 8 के अनुसार आवश्यक समायोजन करने के पश्चात् प्राधिकारी ने इन निष्कर्षों के पैरा 10 में निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। सामान्य मूल्य का निर्धारण 15 फरवरी, 1993 को सार्वजनिक सुनवाई में प्रतिवादी द्वारा दिए गए विवरण को ध्यान में रखते हुए और इसके द्वारा जांच की अवधि के दौरान घरेलू बिक्रियों के बीजकों

के रूप में प्रस्तुत किये गये साक्ष्य के आधार पर किया गया है। इस प्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण प्रतिवादी द्वारा दावा किए गए समायोजन करने के पश्चात् इन बीजकों के आधार पर किया गया है। इन आधारों पर अंतिम रूप में निर्धारित सामान्य मूल्य इन निष्कर्षों के पैरा 10 में दर्शाया गया है।

(5) प्रतिवादी द्वारा दिया गया यह तर्क जांच से संबंधित मुद्दा नहीं है कि याचिकाकर्ता भारतीय घरेलू बाजार में बिसफेनाल-ए की बिक्री कीमत की तुलना में कहीं कम कीमत पर इसका निर्यात कर रहा है।

(6) प्रतिवादी ने बताया है कि केवल जापान ही नहीं बल्कि अन्य देश भी बिसफेनाल-ए को कम कीमत पर बेच रहे थे। पाटन-रोधी जांच अगस्त, 1992 में शुरू की गई थी। अप्रैल 1990 से मार्च 1991 के दौरान भारत में बिसफेनाल-ए का कुल आयात 1983 एम टी था जिसमें से 820 एम टी का आयात जापान से हुआ था। अन्य प्रमुख आपूर्तिकर्ता ब्राजील, यूएसए तथा फ्रांस थे जिनसे क्रमशः 531 एम टी, 209 एम टी तथा 154 एम टी का आयात किया गया। अप्रैल 1991 के बाद से ब्राजील से कोई आयात नहीं किया गया। अन्य दो प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं से बहुत कम पैमाने पर आयात किया गया और इन आयातों की आयात कीमत में वृद्धि हुई। इसलिए प्राधिकारी का मत है कि जापान से होने वाले आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करने में कोई पक्षपात नहीं किया गया है।

(7) प्रतिवादी का विचार है कि याचिकाकर्ता द्वारा विनिर्मित उत्पाद की गुणवत्ता भारत में प्रमुख प्रयोक्ताओं द्वारा अनुमोदित नहीं की गई। एक प्रयोक्ता को छोड़कर प्रमुख प्रयोक्ताओं ने प्रारंभिक निष्कर्ष और अन्य पत्राचारों के प्रत्युत्तर में गुणवत्ता का प्रश्न नहीं उठाया। एक उत्पादक का विचार था कि याचिकाकर्ता को अपनी गुणवत्ता अभी मानक स्तर की बनानी है, किंतु इस बारे में केवल एक सामान्य टिप्पणी के अलावा उसने इस उत्पाद की विभिन्न अन्तर्वस्तुओं के संबंध में खास कमियों का उल्लेख नहीं किया।

(8) प्रतिवादी ने तर्क दिया है कि संयंत्र खर्चों के आकार के कारण और घरेलू मांग संयंत्र की क्षमता के केवल 40% के लिए होने से याचिकाकर्ता क्षमता उपयोग और वित्तीय आय में प्रतिकूल परिणामों का सामना करता रहेगा। प्राधिकारी ने इन दावों के बारे में ध्यानपूर्वक विचार किया



है। उत्पादन के घटकों में जापान तथा भारत में व्यापक अन्तर है। प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि घरेलू उद्योग को जो वास्तविक क्षति हुई है वह याचिकाकर्ता द्वारा लगाये गये संयंत्र के आकार में बजाए जापानी मूल के सामान उत्पाद की कीमतों में गिरावट की वजह से हुई है।

- (9) प्रतिवादी ने तर्क दिया है कि भारत में बीजीए के आयात में जापान के हिस्से में हुई वृद्धि; याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादन का शुरू किया जाना और कीमतों में गिरावट बिल्कुल अलग-अलग बातें हैं और इनको एक संयोग ही माना जाना चाहिए। प्रतिवादी ने प्रारंभिक निष्कर्ष के अपने प्रत्युत्तर में बताया था कि जापानी बिसफेनोल-ए के हिस्से में वृद्धि इसकी उत्कृष्टता और स्थिर गुणवत्ता के कारण हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 1991-92 के दौरान 145000 एम टी प्रतिवर्ष उत्पादन वाली एक बीपीए यूनिट जापान में शुरू हुई। यह तर्क कि जापान का बिसफेनोल-ए उत्कृष्ट और स्थिर गुणवत्ता वाला है, विभिन्न स्रोतों से आयातित बिसफेनोल-ए की कीमतों की तुलना में परिलक्षित नहीं होता है। आयात कीमत अन्य आपूर्तिकर्ताओं की तुलना में जापान से हुए आयात के संबंध में न्यूनतम है।

- (10) संयंत्र के अलाभकारी आकार के मुद्दे पर उपर्युक्त उप-पैरा (8) में विचार किया गया है। फेनोल पर आयात शुल्क कम किये जाने संबंधी अन्य मुद्दा पाटन-रोधी जांच का मामला नहीं है। पाटनरोधी जांच संबंध अवधि के दौरान तैयार नीतिगत ढांचे को ध्यान में रखते हुए की जाती है।

- (11) किसी उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से यद्यपि प्रयोक्ता उद्योगों पर इसका प्रभाव पड़ेगा फिर भी पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य यह है कि डम्प हुए आयात की वजह से घरेलू उद्योग को हुए वास्तविक नुकसान को दूर करना है जो सामान उत्पाद के घरेलू उद्योग और प्रयोक्ता उद्योग के दीर्घकालीन हित में है।

- (12) यह मुद्दा उपर्युक्त उप-पैरा (6) में कवर हो गया है।

#### निर्यात कीमत

प्रतिवादी ने कहा कि बी पी ए की निर्यात कीमत 900 अमरीकी डॉलर एम टी बी आई एफ भारत में थी। प्राधिकारी ने निर्यात कीमत का निर्धारण समायोजन करने के पश्चात् जापान से हुए कुल आयात के आधार पर किया है। प्रतिवादी द्वारा दावा किए गए समुद्री भाड़ा, बीमा कमीशन तथा अन्य

लागत के लिए समायोजन किया गया है। इस प्रकार निर्धारित निर्यात प्रतिवादी द्वारा दी गई कीमत से अधिक है जिसमें समुद्री भाड़ा आदि शामिल है जिसके लिए समायोजन किया गया है।

#### सामान्य मूल्य

9. सामान्य मूल्य का निर्धारण जापान के घरेलू बाजार में आपूर्ति के लिए प्रतिवादी द्वारा दिये गये बीजकों के आधार पर तथा उनके द्वारा प्राधिकारी को जो बीजक दिए गए उनमें प्रतिवादी द्वारा दावा की गई स्थानीय लागत कर आदि का आवश्यक समायोजन करने के पश्चात् किया गया है। येन तथा डॉलर के बीच विनिमय-दर प्रतिवादी द्वारा बताए गए अनुसार लागू की गई है।

#### अंतिम परिणाम

समान व्यापार-स्तर पर निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना के लिए भाड़ा स्थानीय लागत, बीमा कर तथा अन्य लागत संबंध में समायोजन किया गया है। प्राधिकारी मिस्सुई एण्ड कम्पनी जापान द्वारा निर्यात किए गए बेसफेनोल-ए के आयात के संबंध में निर्यात कीमत, सामान्य मूल्य तथा डम्पिंग-मार्जिन का अंतिम रूप से निर्धारण निम्नानुसार करता है:—

निर्यात कीमत	874 अमरीकी डॉलर
सामान्य मूल्य	1111 अमरीकी डॉलर
डम्पिंग मार्जिन	23.0%

उपर्युक्त निर्धारण जापान से अन्य सभी विनिर्माताओं/निर्यातकों द्वारा भारत में बीपीए के आयात के लिए समान रूप से लागू होता है।

प्राधिकारी उपर्युक्त के अध्यक्षीन, भारत गणराज्य में घरेलू उद्योग के लिए जापानी मूल के डम्प किये गये आयातों की वजह से घरेलू उद्योग को मंदी के रूप में हुए नुकसान तथा डम्पिंग मार्जिन का निर्धारण करता है।

जे.के. बागची, नामोद्दिष्ट अधिकारी  
तथा अव्वर सचिव

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 18th February, 1994

Subject : Anti dumping investigation concerning imports of Bisphenol-A originating from Japan—final findings.

No. 14/73/92-TPD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1982 and the Rules, 1985, made thereunder, after consultation with the administrative Ministry, namely, the Ministry of Chemicals and Fertilizers.

#### PROVISIONAL MEASURES

1. The Designated Authority as defined under the Rules (hereinafter referred to as Authority notified preliminary findings in the anti-dumping investigation concerning imports

of Bisphenol—A hereinafter referred to as BPA) originating from Japan vide notification No. 14/73/92-TPD dated the 10th August, 1993.

### PROCEDURE

2. The authority addressed a letter on 10th August, 1993 to M/s. Mitsui & Co. Ltd. (respondent); M/s. Kesar Petro-products Ltd. (petitioner) and other interested parties to furnish their views on the preliminary findings before final determination is made in the investigation. They were also requested to indicate their willingness for on site verification of the data furnished. A note was addressed to Embassy of Japan, New Delhi, forwarding a copy of the preliminary findings with the request that other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings to the authority indicating their willingness for on site verification on the comments so furnished.

3. The authority has received views on the preliminary findings from the respondent, petitioner and importers of the product in India. Except the respondent no other exporter from Japan has furnished views on the preliminary findings.

4. The respondent has made the following points in the response to the preliminary findings:—

- (i) During the period of investigation i.e. January—July, 1992 prices in any export market were more or less the same at around US dollar 900/MT C&F/CIF destinations. The respondent referred to the evidence submitted by it regarding its export to third country at prices lower than to India during January—July, 1992.
- (ii) Japan has import demand from USA, France and Republic of Korea at CIF prices varying US dollar 900—1000/MT CIF Japan. Japanese producers have never claimed on this fact as an unhealthy competition in Japanese domestic market on this account caused by imported Bisphenol—A.
- (iii) The respondent desired to know how the average normal value and export price were determined.
- (iv) The respondent desired to know how the comparison between "normal value" and "export price" was made i.e. difference in exchange rate, tax, volume of the business, delivery point for the comparison."
- (v) The petitioner is exporting Bisphenol—A at far lower price than the price at which they are settling in Indian domestic market.
- (vi) It is not only Japan which sold Bisphenol—A at lower price but other countries also.
- (vii) The respondent thought that the petitioner's Bisphenol—A was not approved by major users in India.
- (viii) The petitioner's installed capacity is of 5000 MT against domestic demand of 2000 MT per annum. The share of Japanese Bisphenol-A is between 22 per cent—63 per cent in the Indian market. Thus imposition of anti-dumping duty on imports from Japan will protect approximately 450—1260 MT per year out of the total capacity of 5000 MT per annum. Hence unfavourable results in the petitioner's capacity utilisation, financial return from investment are inevitable.
- (ix) Increase in the share of Japan in the Indian Bisphenol-A market; commencement of production by petitioner and fall in prices are totally independent and should be regarded as coincidence.
- (x) It is generally understood world-wide that minimum economic capacity of a Bisphenol-A plant is 50,000 MT per annum to survive. It is advisable to lower import duty of phenol before considering higher import duty on Bisphenol-A.

(xi) The market size of Epoxy and PC resins in India requiring Bisphenol—A as raw material is far bigger than the market size of Bisphenol—A. Hence general interest of Indian industry should be considered to protect Epoxy resin market and establish the coming PC design market while not to protect smaller Bisphenol-A market itself.

(xii) The preliminary finding recommending anti-dumping duty is discriminatory in as much as imports are also taking place from third countries is India.

5. The petitioner in its response to the preliminary finding requested for early imposition of anti-dumping duty.

6. The authority has received views from four importers. One importer has adduced the reason for the decline in prices in respect of imports from Japan to the change in the exchange rate between yen and US dollar during the last 2-3 years. The importer has also referred to the interest of user industry. Another importer has reiterated the points made by the respondent and also commented on the monopoly position of the petitioner while referring to the interest of the Epoxy Resin industry in India. The importer has stated that the quality of the product by the petitioner is yet to standardise in regard to colour, free phenol content, iron content, moisture content, and isomers content. The points raised by the remaining two importers are in the nature of the reiteration of some of the points made by the respondent.

7. The authority has examined the points made by the respondent and the producers. These are dealt below in serial:—

- (i) The respondent referred to the ruling international price. Determination of dumping is made by making a fair comparison between export price and the domestic price at the same level of trade after making required adjustment in differences and terms and conditions of the two sales. Hence the argument that the import price is in accordance with the ruling international price during the period of investigation is not a relevant factor in making determination of dumping.
- (ii) The respondent has referred to import demand in Japan and the import prices. As mentioned in sub-para (i) above, it is not the relevant factor in making determination of dumping.
- (iii) & (iv) The respondent desired to know how the normal value and export price were determined and how the two were compared by taking into account the difference in exchange rate, tax, volume of the business, delivery point for the comparison. The authority convened a disclosure meeting on 22nd November, 1993. The respondent was apprised of the meeting and requested to indicate their participation. The respondent in their reply stated that they were physically not available and they considered that their points had been explained in their earlier letters. The respondent also indicated that they had decided not to attend the meeting and would wait for final determination and requested to allow their New Delhi Office to attend the meeting as an observer. Their representatives were allowed to attend the disclosure meeting on 22nd November, 1993 as observer.

The respondent in their response to the questionnaire sent to it after initiation of investigation and in their response to the preliminary finding furnished the export price of Bisphenol-A exported by it which actually is lower than the export price determined in the preliminary finding. On the basis of import data compiled by the Director General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta and after making necessary adjustment as per paragraph 8 below the authority has determined the export price in para 10 of these finding. The normal value has been determined taking into account the statement made by the respondent in the public hearing on

15th February, 1993 and on the basis of evidence submitted by it in the form of invoices of domestic sales during the period of investigation. Thus the normal value has been determined based on these invoices after making the adjustment claimed by the respondent. The normal value finally determined on these basis is indicated in para 10 of these findings.

- (v) The argument adduced by the respondent that the petitioner is exporting Bisphenol-A at a price far lower than its selling price in the Indian domestic market is not a factor relevant to the investigation.
- (vi) The respondent has stated that it was not only Japan but also other countries that were selling Bisphenol-A at lower price. Anti-dumping investigation was initiated in August, 1992. During April, 1990—March, 1991 total import of Bisphenol-A in India was 1983 MT of which 820 MT was accounted for by Japan. Other major suppliers were Brazil, USA and France accounting for import of 531 MT, 209 MT and 154 MT respectively. There were no imports from Brazil from April, 1991 onwards. Imports from the other two suppliers were at a much lower scale and there was an increase in the import price of these imports. The authority is, therefore, of the opinion that there is no discrimination in initiating anti-dumping investigation in respect of imports originating from Japan.
- (vii) The respondent thought that the quality of the product manufactured by petitioner was not approved by major users in India. The major users in their response to the preliminary finding and other communications, excepting one importer, did not raise the question of quality. The one producer thought that the petitioner was yet to standardise quality but did not adduce the specific deficiencies in regard to various contents of the product except making a general comment thereon.
- (viii) The respondent has argued that being an uneconomical size of plant and domestic demand accounting for 40 per cent of the capacity of the plant the petitioner will continue to face unfavourable results in capacity utilisation and financial returns. The authority has given careful consideration to these assertions. The factors of production differ widely in Japan and India. The authority is satisfied that material retardation of the domestic industry is attributable to the declining prices of like product originating from Japan than to the size of the plant commissioned by the petitioner.
- (ix) The respondent has argued that the increase in share of Japan in import of BPA in India; commencement of production by the petitioner and fall in prices are totally independent and should be regarded as coincidence. The respondent in its response to the preliminary finding had stated that the share of the Japanese Bisphenol-A has gone up because of its superior and stable quality. They added that during 1991-92 a BPA unit of 145000 MT per year started up in Japan. The argument that Japanese Bisphenol-A is of superior and stable quality is not reflected in the comparison of prices of Bisphenol-A imported

from different sources. The import price is the lowest in respect of imports from Japan vis-a-vis other suppliers.

- (x) The issue of economic size of plant is dealt with in sub-para (viii) above. The other point regarding lowering of import duty on phenol is not a subject matter of anti-dumping investigation. Anti-dumping investigation is conducted taking into account the policy framework invoke during the relevant period.
- (xi) Imposition of anti-dumping duty on a product though may have its impact on the user industries, yet the object of anti-dumping duty is to remove the injury in the form of material retardation to the domestic industry caused by dumped imports which is in the long term interest of the domestic industry of like product and the user industry as well.

(xii) This point is covered in sub-para (vi) above.

#### EXPORT PRICE

8. The respondent stated that export price for BPA was US \$ 900 MT CIF India. The authority has determined export price on the basis of total imports from Japan after making necessary adjustments. The export price has been determined on the weighted average basis. Adjustment for ocean freight, insurance, commission and other costs claimed by the respondent has been made. The export price so determined is higher than the one given by the respondent which was inclusive of ocean freight etc. for which adjustment has been made.

#### NORMAL VALUE

9. The normal value has been determined on the basis of invoices supplied by the respondent for supplies in the domestic market of Japan and after making necessary adjustments on account of local cost, tax etc. as claimed by the respondent in the invoices supplied by them to the authority. The rate of exchange has been applied between yen and \$ as indicated by the respondent.

#### FINAL FINDING

10. Adjustments have been made on account of freight, local cost, insurance, tax and other costs to compare the export price and normal value at the same level of trade. The authority finally determines the export price; normal value; and margin of dumping in respect of import of Bisphenol-A exported by Mitsui & Co., Japan as under :—

Export price US \$ 874

Normal value US \$ 1111

Margin of Dumping 23.0 per cent.

The above determination applies equally to import of BPA in India by all other manufacturers/exporters from Japan.

11. The authority confirms, subject to above, the preliminary findings in regard to dumping margin and injury to the domestic industry in the form of material retardation caused by dumped imports originating from Japan to the domestic industry in Republic of India.

J. K. BAGCHI, Designated Authority  
and Addl. Secy.